शिक्षा के लिए विकलांगता मानक

हमारी कहानियाँ: **शिक्षा प्रणाली में विकलांगता से ग्रस्त युवाओं के व्यक्तिगत अनुभव**

शिक्षा के दौरान विकलांगता ग्रस्त छात्रों के अनुभवों को साझा करती हुई ये व्यक्तिगत कहानियाँ हैं।

यह संसाधन विकलांगता ग्रस्त छात्रों और उनके माता-पिता और देखभालकर्ताओं द्वारा सहडिज़ाइन किया गया था।

इस संसाधन के बारे में

इस संसाधन को ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया में विकलांगता वाले बच्चों और युवा लोगों (सीवाईडीऐ) (Children and Young People with Disability Australia) (CYDA) और राष्ट्रीय संजातीय विकलांगता गठबंधन (एनईडीए) (National Ethnic Disability Alliance) (NEDA) की मदद से, विकलांगता ग्रस्त छात्रों और उनके माता-पिता और देखभालकर्ताओं द्वारा डिज़ाइन किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार पूरे ऑस्ट्रेलिया में देश के पारंपरिक मालिकों और संरक्षकों को मान देती है। हम भूमि, जल और समुदाय से उनके निरंतर संबंध को मान देते हैं। हम उनके और उनके बुजुर्गों के अतीत और वर्तमान के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। हम एबोरिजनल (आदिवासी) और टॉरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों की निरंतर सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और शैक्षिक प्रथाओं के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं।

भाषा के संबंध में टिप्पणी

यह संसाधन व्यक्ति-प्रथम भाषा का उपयोग करता है (उदाहरण के लिए, 'विकलांगता ग्रस्त बच्चा/बच्ची')। लेकिन यह दृष्टिकोण हर किसी के लिए ठीक नहीं है, और कई लोग पहचान-प्रथम भाषा (उदाहरण के लिए, 'विकलांग बच्चा') का उपयोग करना पसंद करते हैं।

यह प्रत्येक व्यक्ति पर निर्भर है कि वह अपनी पहचान कैसे चुनता है। हम आपको लोगों से उनकी पसंद पूछने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम इन सभी परिभाषाओं के पीछे के गहरे इतिहास को भी मान देते हैं।

लोग 'उचित समायोजन', 'समायोजन' या ' समंजन' का उपयोग एक ही बात के मतलब के लिए करते हैं। हम इस संसाधन में इन वाक्यांशों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर करते हैं। *विकलांगता भेदभाव अधिनियम 1992 (Disability Discrimination Act 1992)* में 'उचित समायोजन' का उपयोग किया जाता है।

अतिरिक्त संसाधन

यह संसाधनों के समूह का एक भाग है। आप उन्हें शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर या QR कोड को स्कैन करके प्राप्त कर सकते/ती हैं।

QR कोड को स्कैन करें

यह संसाधन ईज़ी रीड, ऑस्लान और कई अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है। आप इन संस्करणों को ऑस्ट्रेलियाई सरकार के शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर या QR कोड को स्कैन करके प्राप्त कर सकते/ती हैं।

विषय-वस्तु नोट: *इन कहानियों में सक्षमता, बहिष्कार और भेदभाव के उदाहरण शामिल हैं। सहायता के लिए आप लाइफलाइन को* ***13 11 14*** *पर कॉल कर सकते/ती हैं या* ***0477 13 11 14*** *पर टेक्स्ट कर सकते/ती हैं।*

यह संसाधन किस लिए है?

यह संसाधन विकलांगता ग्रस्त युवाओं की वास्तविक कहानियों को साझा करता है। इसमें वे निम्न के बारे में बात करते हैं:

1. शिक्षा में उनके अनुभव
2. इन अनुभवों से उन्होंने क्या सीखा
3. वे क्या चाहते हैं कि आप कौन सी जानकारी लें

उनके अनुभव विभिन्न प्रकार के हैं और सभी महत्वपूर्ण हैं। वे सब इस बारे में बताते हैं कि शिक्षा प्रदाता शिक्षा के लिए विकलांगता मानकों 2005 (डीएसई) का पालन कैसे करते हैं और वे संभावित रूप से छात्रों का बेहतर समर्थन कैसे कर सकते हैं।

शुरुआत से पहले

आप डीएसई के तहत अपने अधिकारों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते/ती हैं। फिर निम्न देखें:

- लिली की कहानी
- डैनियल की कहानी

अस्वीकरण: ये कहानियाँ इस परियोजना में भाग लेने वाले युवाओं के शब्द, विचार और अनुभव हैं।

लिली की कहानी

विषय-वस्तु नोट: *सक्षमता और बहिष्करण का उल्लेख।*

प्राइमरी स्कूल में भीड़ से अलग मुझे पहले ही अजीब सा महसूस होता था। मैं एक आप्रवासी परिवार से हूँ जिसके पास विकलांगता या मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधित कोई सांस्कृतिक समझ या रूपरेखा योजना नहीं थी, इस वजह से मेरे पास यह जानने के लिए शब्द या जगह नहीं थी कि मैं शामिल क्यों नहीं हो सकती, या मुझे शामिल होने के लिए क्या चाहिए।

जब मैं यूनिवर्सिटी के लिए विदेश गई, तो मैं नई संस्कृति और ऐसे लोगों से अवगत हुई जो मुझसे इस बारे में बात करने में रुचि रखते थे कि मैं वास्तव में कौन थी और मुझे ऐसा क्यों लगा कि मैं अपनी क्षमता को हासिल नहीं कर पाई हूँ। वे वास्तव में मुझे समर्थन और परामर्श देने में रूचि रखते थे। मुझे पहली बार लगा कि मैं उस समुदाय का हिस्सा थी जहाँ ऐसे समान जीवन अनुभव थे, और इसके साथ, हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए एक माध्यम और शक्ति थी कि भविष्य की पीढ़ियों का पालन-पोषण कैसे किया जाएगा।

> हालाँकि मैं ऑस्ट्रेलिया में नहीं थी, लेकिन मुझे पहली बार पता चला कि विश्वभर में सभी लोगों के लिए शिक्षा प्राप्ति एक मान्यता प्राप्त अधिकार है, और स्कूलों को मेरे जैसे विकलांगता ग्रस्त लोगों को सुलभ समायोजन और समर्थन देने चाहिए।

तब से, शैक्षणिक और संस्थानों के साथ काम करते हुए अपने पक्ष समर्थन के लिए मेरे मिश्रित अनुभव हैं। कुछ लोगों को अपनी पृष्ठभूमि और अनुभवों के कारण विकलांगता की बेहतर समझ हो सकती है, और वे मेरी जरूरतों के बारे में खुल कर बातचीत कर सकते हैं। लेकिन एक संस्थागत दृष्टिकोण से, मैं धीमी प्रक्रियाओं, खराब संचार और असुविधाजनक आवश्यकताओं से लगातार परेशान हुई हूँ - खासकर जब कुछ साबित करने के लिए चिकित्सीय कागजी कार्य और दस्तावेज़ प्रदान करने की बात आती है जो मुझे लगता है कि साबित करने की आवश्यकता नहीं है।

+

जब भी समायोजन प्रदान किए गए हैं, वे अपेक्षाकृत प्रभावशाली रहे हैं। मैं आभारी हूँ कि मैं जब भी विभिन्न बाधाओं से निकली हूँ, तो संस्थानों ने मुझे और मेरे साथियों का समर्थन करने के लिए अक्सर विभन्न समायोजन और संशोधन पेश किये हैं। हालाँकि, उन्हें आवेदन प्रक्रिया में छात्रों का समर्थन करने और जागरूकता और दृश्यता बढ़ाने के लिए उपकरण और जानकारी विकसित करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य के युवा इन समर्थनों की मौजूदगी के बारे में जानें।

मेरे जैसी स्थिति वाले अन्य युवाओं के लिए, मैं वास्तव में यह कहना चाहती हूँ कि आप विचित्र नहीं हैं, आप असामान्य नहीं हैं, और आप अकेले नहीं हैं।

यह कहानी लिखना मेरे लिए बहुत ही लाभप्रद और बढ़िया अनुभव रहा है। खुले तौर पर, बिना एक राय के और सच्चे साथियों के साथ साझा करने का अवसर मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। याद रखें कि अगर आपको सहायता की जरुरत है या आप कुछ परेशान हैं तो सहायता प्राप्त करने की पूरी कोशिश करें और आप पाएंगे कि हम यहाँ आपकी सहायता के लिए हैं। मुझे पता है अपने आप को संवेदनशील कहना कठिन हो सकता है, लेकिन यह भी जान लें कि यही वे क्षण हैं जो आपको अधिक सीखने, विकास करने तथा और ताकत पाने की ओर अग्रसर करेंगे।

डैनियल की कहानी

विषय-वस्तु नोट: *शिक्षकों द्वारा सक्षमता, बहिष्करण, रासायनिक प्रतिबंध और डराने-धमकाने का उल्लेख।*

प्राइमरी स्कूल

शिक्षा के साथ मेरे अनुभव विस्तारपूर्वक है जिसमें नकारात्मक से लेकर सकारात्मक तक सब कुछ शामिल है। मैं ऑटिस्टिक व्यक्ति हूं और मुझे अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) और चिंता विकार है। मुझे याद है कि प्राइमरी स्कूल में मुझे अत्यधिक 'व्यवहार संबंधी कठिनाइयाँ' थीं - या यही बात मेरे शिक्षकों ने मेरी माँ को बताई थी। मेरे प्राइमरी स्कूल के अनुभव का वर्णन इस बात से किया जा सकता है कि मेरे शिक्षक हमेशा मेरी रिपोर्ट में यही कहते थे, 'डैनियल प्रतिभाशाली छात्र है जिसमें काफी सामर्थ्य है लेकिन कक्षा में इसे खुद को विनियमित करने या कार्यों पर अपना पूरा ध्यान देने के लिए उसे संघर्ष करना पड़ता है।'

मुझे शांत बैठने में कठिनाई होती थी। मैं अपनी बारी के बिना ही बोलता था, अनुचित वाक्यांश कहता था (या वास्तव में कक्षा का जोकर की मेरी स्व-घोषित उपाधि के अनुरूप कुछ भी करता था)। बाधाओं का सामना करते समय मुझमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता और दृढ़ता की कमी थी। मुझे एडीएचडी (ADHD) होने का पता चला और प्राइमरी स्कूल के दौरान दवा दी गई।

हर रोज़ दोपहर के भोजन के बाद एडीएचडी (ADHD) की दवा लेने के लिए रिसेप्शन पर जाने के कारण मुझे अक्सर बहिष्कृत महसूस होता था।

शिक्षकों के साथ मैं कई बातों पर असहमत था, मैं कार्यों को करने से इनकार करता था और शिक्षकों के साथ ज़बानी बहस करता था क्यूंकि वे मुझे मेरे तरीके से काम करने की अनुमति नहीं देते थे। मुझे अपने साथियों के साथ भी इस तरह का संघर्ष करना पड़ा। सोचने पर मुझे ज्ञात हुआ कि यह मेरे अनिदानीय ऑटिज्म की वजह से था। मेरे पास एक अन्य छात्र द्वारा मेरे स्लाईम (slime) को पकड़ने की बहुत विशिष्ट स्मृति है जिसके साथ मैं जोश से खेल रहा था। मैंने विनम्रता से इसे वापस मांगा, जो उसने मना कर दिया। फिर मुझे याद है कि मैं प्रिंसिपल के कार्यालय में इस छात्रा के साथ था, जिसके बालों में मेरा स्लाईम (slime) लगा हुआ था! यह मेरे लिए बेहतरीन क्षण नहीं था। मैंने प्राइमरी स्कूल केवल टाइम टेबल (गणित के पहाड़ों की) प्रतियोगिताओं में अपने लगातार वर्चस्व को छोड़कर, बहुत सारी व्यवहार संबंधी घटनाओं से और एक छात्र के रूप में आत्मविश्वास से बिना पूरा किया।

एक बालिग के रूप में, मैंने शिक्षा के लिए विकलांगता मानक 2005 के बारे में सीखा। जब मैं पिछली चीज़ों को सोचता हूँ, तो मुझे लगता है कि मेरे स्कूल को मुझे समर्थन देने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए था। यह बेहतर होता अगर वे खुद से पूछते कि 'ऐसा क्यों हो रहा है?'- या ऐसा मुझसे पूछते! तब हम ऐसे समायोजन के लिए मिलजुल कर काम कर सकते थे जो मुझे सीखने और शामिल होने में सहायता करते।

सेकेंडरी स्कूल

मुझे हमारी पहली गतिविधि याद है। एक बड़े खेल स्थल में इसे कक्षा समूह को सौंपा गया था, जहाँ आवाज़ जोर से गूंज रही थी। मुझे याद है कि मुझे सुनाई नहीं दिया या पता नहीं चला कि मुझे किस कक्षा में भेजा गया है। जिसके कारण अपनी कक्षा ढूंढ़ने के लिए मैं स्कूल के चारों ओर 30 मिनट तक घूमता रहा। इसके अलावा, सेकेंडरी स्कूल का अनुभव मेरे लिए बेहद सकारात्मक था। मुझे ऑटिस्टिक के रूप में निदान किया गया था और मुझे अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए अपनी कक्षाओं और तरीकों को संशोधित करने के लिए कुछ अवसर दिए गए थे।

जब मैंने 11वीं कक्षा में 12वीं कक्षा का गणित किया, तो मुझे अपने 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम से एक विषय हटाने का अवसर दिया गया था। इसका मतलब, मेरे अतिरिक्त अध्ययन अवकाश के साथ मिलाकर, मेरी 12वीं कक्षा का शेड्यूल सोमवार से शुक्रवार सुबह 8:30 से दोपहर 1:30 बजे तक का था।

जब मैं अंशकालिक (पार्ट-टाइम) काम कर रहा था, और मुझे मेरी नौकरी में प्रबंधन पेशेवर विकास के हिस्से के रूप में रिटेल में सर्टिफिकेट IV दिया गया था। इसे मेरे ऑस्ट्रेलियन टर्शरी एडमिशन रैंक (ATAR) में भी जोड़ा गया था। इससे मुझे दिन में पढ़ाई और फिर काम करने और 17 वर्ष के बच्चे के मुताबिक बढ़िया जीवन जीने का मौका मिला।

मैं अपने स्कूल की मेरे लक्ष्यों और जरूरतों को सुनने और मेरी शिक्षा संरचना योजना बनाते समय उसमें शामिल होने की क्षमता के लिए बेहद आभारी था। परीक्षा के दौरान मेरे पास 'स्टॉक-स्टैंडर्ड' सुविधाएं भी थीं, जैसे कि लंबे समय तक ब्रेक, परीक्षा में खाना, और परीक्षा कक्ष में घूमने की क्षमता। हालाँकि, ऐसा करने के लिए मुझे एक अलग जगह पर रखा गया था, जो मुझे मेरे साथियों द्वारा परीक्षा से पहले परीक्षा हॉल के बाहर मजाक करने और बातचीत करने के मौके को देखते हुए बहुत ही बहिष्कृत भावना लगती थी।

यह वास्तव में दिलचस्प है कि मैं कभी भी ऐसी किसी विषय वस्तु के संपर्क में नहीं आया जिसने मुझे डीएसई के तहत मेरे अधिकारों के बारे में बताया हो। मैं जानता था कि स्कूल उचित समायोजन कर सकते हैं, लेकिन इसे मेरे सामने ऐसे प्रस्तुत किया गया कि 'मेरे पास ये विकल्प हो सकते हैं', लेकिन 'इस बारे मुझसे सलाह नहीं ली गई कि मुझे शिक्षा में भाग लेने के लिए किन उचित समायोजनों की आवश्यकता है।' मेरे स्कूल ने मेरे लिए जो किया उससे मैं खुश हूं, लेकिन सोचने पर यह थोड़ा पैतृक स्वभाव का लगता है, भले ही उन्होंने इसे कई मायनों में बिल्कुल सही किया है।

टर्शरी (Tertiary) शिक्षा

मेरी शिक्षा का अगला अनुभव यूनिवर्सिटी में संगीत स्नातक का था। जिस यूनिवर्सिटी में मैंने दाखिला लिया, वहां विकलांगता समर्थन बहुत कम था। उन्होंने न तो संसाधन उपलब्ध कराए और न ही मुझे समर्थन के लिए आवेदन देने का अवसर दिया। अब मैं जानता हूँ कि डीएसई के अनुसार उन्हें ये सब करना चाहिए था। मैं एक लेक्चरर के निशाने पर था, जिसे मेरा व्यक्तित्व (या मेरी बेचैनी जो एडीएचडी की वजह से हो सकती है) पसंद नहीं था।

सब देखते हुए, यूनिवर्सिटी ने यह गलत किया, और इसका परिणाम यह हुआ कि मैंने कक्षाओं में भाग नहीं लिया, ट्यूटोरियल नहीं लिये और कुल मिलाकर, यूनीवर्सिटी में व्यस्त नहीं हुआ।

कई ऐसे क्षण थे जब मैं अपनी सारी कक्षाओं को छोड़ना चाहता था (और अपने आप को व्यस्त रखने के लिए मुझे अनौपचारिक सहायता नेटवर्क का उपयोग करना पड़ा)। कुल मिलाकर, मुझे अपनी डिग्री लेकर और इन अनुभवों को समाप्त कर बेहद ख़ुशी हुई।

जब मैंने एक पेशेवर संगीतकार बनने का सपना छोड़ने का फैसला किया, तो मैंने यूनिवर्सिटी वापस जाने का और बैचलर ऑफ साइकोलॉजिकल साइंसेज की पढ़ाई करने का फैसला किया। अपनी पिछली यूनिवर्सिटी के अनुभवों के बाद, मैं अपने पहले वर्ष में विकलांगता सहायता सेवाओं में शामिल होने को लेकर आशंकित था। वह एक अजीब क्षण था जब मैं यह साबित करना चाहता था कि मैं अतिरिक्त समर्थन के बिना पूरी यूनिवर्सिटी का अनुभव प्राप्त कर सकता हूं - लेकिन मुझे एहसास हुआ कि इससे मुझे कोई लाभ नहीं होगा। उस समय मैं विकलांगता क्षेत्र में काम कर रहा था और जानता था कि विकलांग लोगों के जीवन में समर्थन कितना लाभदायक हो सकता है। मैं जानता था कि ऑस्ट्रेलियाई कानून के तहत मेरी शिक्षा में इन समर्थनों का मुझे अधिकार है।

मैंने अपनी यूनिवर्सिटी की विकलांगता सहायता सेवाओं का उपयोग करने का निर्णय लिया और मुझे मेरी डिग्री में समय सीमा विस्तार, परीक्षा में आराम अंतराल और कैंपस में शांत स्थान पाने के लिए काफी समर्थन मिला। इससे मुझे बहुत लाभ मिला, क्योंकि इसने मुझे इस बात पर अधिक ध्यान केंद्रित करने नहीं दिया कि क्या गलत हुआ और यदि मैं पीछे छूट रहा था या समयसीमाओं को लेकर तनावग्रस्तथा तो मेरी सहायता के लिए मार्गपथ प्रदान किए।

इससे मुझे यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के साथ-साथ पूर्णकालिक (फुल-टाइम) काम करने में भी समर्थन मिला, जिसे मैंने अपने करियर और वित्तीय लक्ष्यों के लिए महत्वपूर्ण समझा। मेरी डिग्री के अंत में, मुझे साइकोलॉजी में ऑनर्स करने का मौका मिला, लेकिन मैंने उसे नहीं किया क्यूंकि मैं रोमांचक कैरियर अवसरों को देखना चाहता था।

मैं आशा करता हूँ कि लोग मेरी शिक्षा के 18 साल के अनुभव से यह सीखें कि समर्थन वास्तव में मदद करता है। आप यह चाह सकते हैं कि आपसे अलग तरीके से व्यवहार नहीं किया जाये, कि आपको समायोजन की आवश्यकता नहीं है, या यह कि आपकी विकलांगता आपकी क्षमता को परिभाषित नहीं करती है। यह ठीक है। लेकिन यदि आपको समर्थन की आवश्यकता है तो आप यह महसूस न करें कि आप अकेले हैं या आप काबिल नहीं हैं।

हर किसी को समर्थन की आवश्यकता है, चाहे विकलांगता हो या नहीं। समर्थन से मिलने वाले लाभ ही आपके शिक्षा अनुभव से नफरत करने या वास्तव में इसका आनंद लेने के बीच का अंतर हो सकते हैं।

आपका अनुभव वही है जो आप इससे बनाते हैं, इसलिए इसे अपना बना लें।

www.education.gov.au/disability-standards-education-2005